International Journal of Education, Modern Management, Applied Science & Social Science (IJEMMASSS)
ISSN : 2581-9925, Impact Factor: 6.882, Volume 05, No. 04(II), October - December, 2023, pp. 28-34

कार्यशील पूंजी का विश्लेषणात्मक अध्ययन (नेशनल फर्टीलाइजर्स लिमिटेड, के विशेष संदर्भ में)

डॉ. देवेन्द्र कुमार भडेरिया*

सार

किसी भी उपक्रम में कार्यशील पूंजी की उचित उपलब्धता अर्थात कार्यशीलपूंजी न आवश्यकता से अधिक हो और न ही आवश्यकता से कम, वित्तीय प्रबंध के लिए सर्वथा सर्वोपरि उद्देश्य होता है।वित्तीय प्रबंध का हमेशा यह प्रयास रहता है कि आवश्यकतानुरूप कार्यशील पूँजी की उपलब्धता बनी रहे।किसी भी उपक्रम में कार्यशील पूँजी के संतुलन एवं उस पर नियंत्रण बनाये रखने हेतु कार्यशील पूँजी का विश्लेषणात्मक अध्ययन एंव प्रबंधन अतिआवश्यक है। मिनी नवरत्न एन.एफ.एल. कंपनी जिसका पंजीकृत कार्यालय दिल्ली में है और कॉर्पोरेट कार्यालय नोएडा (यू.पी.) में है। जिसकी अधिकृत पूँजी रू.1000 करोड़ और चुकता पूँजी रू. 490.58 करोड़ है। जिसमें भारत सरकार की 74.01: व 25.29: वित्तीय संस्थानों और अन्य के पास है। शोधपत्र में नेशनल फर्टीलाइजर्स लिमिटेड कंपनी की कार्यशील पूँजी की प्रस्तावना, शोध अध्ययन की आवश्यकता, संबंधित साहित्य का पुनर्रावलोकन, शोध उद्देश्य, शोध प्रविधि ऑकड़ों का एकत्रीकरण व विश्लेषणकंपनी के आय विवरण तथा स्थिति विवरण के आधार पर किया गया है तथा विभिन्न अनुपातों के आधार पर कंपनी की कार्यशील पूँजी की मात्रा के प्रबंधन को विश्लेषित किया गया है। ताकि कंपनी की कार्यशील पूँजी का उचित प्रबंधन किया जा सकें।परिणामस्वरूप कंपनी में कार्यशील पूँजी की अधिकता व कमी की समस्या का सामना न करना पड़े। शोध अध्ययन की सीमाएं, निष्कर्ष व सुझावों को शोध पत्र में प्रस्तुत किया गया है।

शब्दकोशः *चल सम्पत्तियॉ, चल दायित्व, कार्यशील पूँजी, अनुपात, आर्वत, तरल सम्पत्तियॉ।*

प्रस्तावना

एन.एफ.एल. अनुसूची 'ए' की प्रथम श्रेणी की मिनी नवरत्नकंपनी है।जिसके पास पॉच गैस आधारित अमोनिया यूरिया संयंत्र है।पंजाब में नंगल और बठिंडा संयत्र, हरियाणा में पानीपत संयंत्र और म.प्र. में गुना जिले में विजयपुर में दो संयंत्र है। यह भारत सरकार का सार्वजनिक उपक्रम है जिसकी अधिकृत पूंजी रू.1000 करोड़ व चुकता पूँजी रू. 490.58 करोड है।

कंपनी को संचालित करने हेतु स्थायी सम्पत्तियों की आवश्यकता होती है जिसमें लगायी गई पूँजी स्थायी पूँजी कहलाती है। कंपनी की संचालन संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु चल सम्पत्तियों की आवश्यकता होती है, जिसमें लगायी गई पूँजी चालूपूंजी या कार्यशील पूँजी कहलाती है।कार्यशील पूँजी सामान्यतः कच्चेमाल के स्कंध, प्राप्य खाते, विक्रय योग्य प्रतिभूति और नकदी में, बैंक में विनियोजित होती है और सतत् रूप में बैंक या नकदी में परिवर्तित होती रहती है।

* सहायक प्राध्यापक, वाणिज्य, शा.पी.जी. कॉलेज, गुना, मध्य प्रदेश।

संस्था की सुदृढ स्थिति हेतु चल सम्पत्ति का चल दायित्व पर अधिकतम होना चाहिए विपरीत स्थिति में संतोषजनक नहीं कही जा सकती है। यदि चल संपत्ति व चल दायित्व का समभाव रहता है तो इसका अर्थ है कि संस्था कार्यशील पूॅजी हेतु अल्पकालीन ऋणों पर निर्भर है और दीर्घ कालीन फण्ड के स्त्रोतों को स्थायी संपत्ति के क्रय हेतु उपयोग में लाया गया है। विनियोग पर प्रत्याय अधिकतम बनाये रखने हेतु पर्याप्त मात्रा में कार्यशील पूॅजी का होना अत्यावश्यक है ताकि संस्था का संचालन सफलता पूर्वक हो सके।

कार्यशील पूॅजीत्रचल संपत्तियां–चल दायित्व

- **शोध के अध्ययन का औचित्य**–किसी भी संस्था में कार्यशील पूंजी की अधिकता व अल्पता दोनों ही स्थितियां ठीक उसी प्रकार हानिकारक है जैसे शरीर में उच्च रक्तचाप व अल्परक्तचाप का होना घातक है। अतः संस्था की वित्तीय स्थिति की सुदृढ़ता हेतु कार्यशील पूंजी की पर्याप्त मात्रा बनाये रखना अतिआवश्यक है। इस शोध पत्र में नेशलन फर्टीलाईजर्स लिमिटेड के आय विवरण व स्थिति विवरण के आधार पर कार्यशील पूंजी की स्थिति का विश्लेषणात्मक अध्ययन वर्ष 2012–2022 के आधार पर किया गया है।
- **संबंधित साहित्य का अध्ययन**–प्रसादशिवराम (मार्च 2011) –प्रस्तुत शोध के अध्ययन से स्पष्ट है कि कार्यशील पूंजी के अनुकूलतम उपयोग द्वारा नकारात्मक व ऋण देने में अक्षम्य कंपनी को बेहतर तरीके से नियंत्रित करने पर बल दिया है।
- **पेंडा (1986)** – प्रस्तुत शोध के अध्ययन से स्पष्ट हुआ कि कार्यशील पूंजी का प्रबंधन नमूना इकाइयों के बहुमत द्वारा उपेक्षित था जो हानि में वृद्धि का प्रमुख कारण है।क्योंकि दीर्घ कालीन स्त्रोंत सीमित थे व कंपनी कार्यशील पूंजी की जरूरतों के लिए लघु अवधि ऋणों पर निर्भर थी।
- **गंगाधर (1981)** – प्रस्तुत शोध में पब्लिक व प्राइवेटलि. कंपनियों में चालू संपत्तियों का कुल संपत्तियों से उच्च अनुपात का गठन किया गया तथा सकल व मौजूदा परि संपत्तियों के बीच संबंधों को व्यक्त किया गया है।
- **देवी, निरंजन (2011)** – प्रस्तुत शोध में कंपनी की कार्यशील पूंजी आयामों का अध्ययन किया गया तथा कार्यशील पूंजी की नीतियों, संरचना, उपयोगिता, लाभदायकता व प्रांसगिकता पर विस्तृत प्रकाश डाला गया है।

शोध अध्ययन के उद्देश्य

- नेशनल फर्टीलाईजर्स लिमिटेड की कार्यशील पूंजी आर्वत का अध्ययन करना।
- नेशनल फर्टीलाईजर्स लिमिटेड की चल संपत्तियों व चल दायित्वों का अध्ययन करना।
- नेशनल फर्टीलाईजर्स लिमिटेड की कार्यशीलपूंजी के विश्लेषणात्मक अध्ययन उपरांत कंपनी को सुझाव देना।

शोध प्रविधि

कंपनी के आय विवरण एवं चिट्ठे में उपलब्ध द्वितीयक ऑकड़ों का विश्लेषण किया जावेगा।विभिन्न द्वितीयक ऑकड़ों को कंपनी के वर्ष 2012 से 2022 तक के वार्षिक प्रतिवेदनों, समाचार पत्र पत्रिकाओं, इन्टरनेट पर उपलब्ध सामग्री व शोध ग्रंथों के माध्यम से एकत्रित कर कार्यशील पूंजी का विश्लेषण किया गया है, इस हेतु विभिन्न अनुपातों का निर्धारण किया जाएगा।

अध्ययन का क्षेत्र

प्रस्तुत शोध के अध्ययन का क्षेत्र भारत सरकार का सार्वजनिक उपक्रम नेशनल फर्टीलाईजर्स लिमिटेड कंपनी है, जिसमें पंजाब में नंगल और बठिण्डा, हरियाणा में पानीपत तथा म.प्र. के गुना जिले में विजयपुर– प्रथम एवं द्वितीय संयंत्र के आय विवरण तथा स्थिति विवरण जो वर्ष 2012 से 2022 तक के है, शामिल किये गये हैं।

शोध अध्ययन की सीमाएँ

- शोध अध्ययन एन.एफ.एल. की 2012–22 तक की कार्यशील पूंजी के विश्लेषण अध्ययन पर आधारित होगा।
- कंपनी के ऑकड़ें वार्षिक प्रतिवेदनों वर्ष 2012–22 से लिए जाएगें।
- प्रस्तुत शोध एन.एफ.एल. के वास्तविक व सत्य द्वितीयक ऑकडों पर आधारित होगा।

नेशनल फर्टीलाईजर्स लिमिटेड की कार्यशील पूंजी का विश्लेषणात्मक अध्ययन

किसी भी कंपनी की आन्तरिक स्थिति की सुदृढता का पता लगाने हेतु कार्यशील पूंजी का विश्लेषण अत्यन्त आवश्यक है। इस हेतु नेशनल फर्टीलाईजर्स लिमिटेड कंपनी की कार्यशील पूंजी का विश्लेषण अनुपातों के आधार पर निम्न प्रकार किया है–

01–तरल अनुपात 02–रोकड़ अनुपात 03–कार्यशील पूंजी अथवा चालू अनुपात 04–स्कंध आर्वत अनुपात 05–कार्यशील पूंजी को शुद्ध मूल्य से अनुपात 06–कार्यशील पूंजी आर्वत अनुपात

- **तरल अनुपातः** तरल अनुपात यह जानने हेतु ज्ञात किया जाता है कि कंपनी अपने अल्पकालीन दायित्वों का तुरन्त भुगतान कर सकती है अथवा नहीं। इसे त्वरित , अम्लपरख अनुपात भी कहा जाता है। यह कंपनी की तरल सम्पत्तियों एवं चालू दायित्वों के मध्य संबंध को व्यक्त करता है। सामान्यतः 1:1 तरल अनुपात आदर्श माना जाता है। यह 1:1 से अधिक है, तो अच्छा परंतु 1:1 से कम है तो चाल दायित्वों के भुगतान हेतु अतिरिक्त धन की व्यवस्था करनी होगी।

Liquid Ratio = Liquid Assets / Current liabilities X 100

Table 1

Statement of Liquid Assets to Current Liabilities

Year	Liquid Assets ₹ - Cr	Current liabilities ₹ - Cr	Ratio %	Year	Liquid Assets ₹ - Cr	Current liabilities ₹ - Cr	Ratio %
2012-13	3868	1430	270.48	2017-18	4667	4303	108.46
2013-14	6325	6041	104.70	2018-19	7907	8351	94.68
2014-15	6959	5888	118.19	2019-20	8537	9281	91.98
2015-16	6309	5323	118.52	2020-21	3064	3056	100.26
2016-17	5203	4974	104.60	2021-22	3506	5422	64.66

Source- Annual Report NFL 2012-22

निर्वचन

नेशनल फर्टीलाईजर्स लिमिटेड की तालिका क्रमांक 01 में तरल सम्पत्तियों और चालू दायित्वों के मध्य आनुपातिक संबंधों को दर्शाया गया है। जिसमें उतार चढ़ाव की स्थिति प्रतिशत में दर्शित है।

यह वर्ष 2012–13 में सर्वाधिक 270.48 तथा 2021–22 में सबसे कम 64.66 प्रतिशत रहा वर्ष 2014–15 एवं 2015–16 में लगभग समान रहा

रोकड़ अनुपात

वैसे तो यह अनुपात रोकड़ व बैंक का चल दायित्व से संबंध व्यक्त करता है परंतु कार्यशील पूंजी के विश्लेषण हेतु नकदी + बैंक जमा तथा चल संपत्तियों के आधार पर अनुपात की गणना की जाती है।ताकि यह पता लगाया जा सके कि चल संपत्तियों की तुलना में रोकड़ की मात्रा अधिक है या कम।

Cash Ratio = Cash + Bank Balance / Current Assets

Table 2

Statement of Cash and Bank Balance to Current Assest

Year	Cash in Bank (Approx.) ₹ - Cr	Current (Approx) ₹ - Cr	Ratio	Year	Cash in Bank (Approx.) ₹ - Cr	Current (Approx) ₹ - Cr	Ratio
2012-13	6.00	4285	1:714	2017-18	10.00	5193	1:519
2013-14	4.00	6743	1:1685	2018-19	19.00	9493	1:499
2014-15	5.00	7245	1:1448	2019-20	22.00	9813	1:446
2015-16	7.00	6810	1:973	2020-21	42.00	3502	1:834
2016-17	8.00	5778	1:722	2021-22	29.00	5761	1:199

Source- Annual Report NFL 2012-22

निर्वचन

नेशनल फर्टीलाईजर्स लिमिटेड की तालिका क्रमांक 02 में रोकड़ व बैक बाकी का चल सम्पति के साथ संबंध दर्शाया गया है। जिसमें अनुपतिक उतार चढ़ाव वर्ष 2013–14 में 1:1685 सर्वाधिक व 2021–22 में सबसे कम 1:199 रहा अर्थात 10 वर्षो में रोकड़ की तुलना में चल सम्पतियों की मात्रा अधिक रही है।

कार्यशील पूंजी अुनपात अथवा चालू अनुपात

यह कंपनी की चालू संपत्तियों के चालू दायित्वों के मध्य संबंधों का व्यक्त करता है। इसे कार्यशील पूॅजी अनुपात भी कहते है।सामान्यतः 2:1 के चालू अनुपात को आदर्श माना जाता है।इससे कम होने का संकेत है कि संस्था में कार्यशील पूंजी की कमी है यह संस्था की तरलता की स्थिति का परिमाणात्मक सूचक है न कि गुणात्मक । यह संपत्तियों के परिमाण (मात्रा) के आधार पर परिकलित किया जाता है।

Current Ratio = Current Assets / Current liabilities

Table 3

Statement of current assets to current liabilities

Year	Current Assets (Approx) ₹ - Cr	Current liabilities ₹ - Cr	Ratio	Year	Current Assets (Approx) ₹ - Cr	Current liabilities ₹ - Cr	Ratio
2012-13	4285	1430	3.00:1	2017-18	5193	4303	1.21:1
2013-14	6743	6041	1.12:1	2018-19	9493	8351	1.14:1
2014-15	7241	5888	1.27:1	2019-20	9813	9281	1.06:1
2015-16	6810	5323	1.28:1	2020-21	3502	3056	1.15:1
2016-17	5778	4974	1.16:1	2021-22	5761	5422	1.06:1

Source- Annual Report NFL 2012-22

निर्वचन

तालिका क्र.3 में एन.एफ.एल. कंपनी की चालू संपत्तियों व चालू दायित्वों के मध्य संबंध दिखाया गया है।जिसमें 2012 से 2022 के मध्य उतार चढाव की स्थिति दर्शित है। आदर्श अनुपात 2:1 को आधार माने तो 2012–13 में अधिक कार्यशीलपूंजी व 2013 – 2022 तक कार्यशील पूंजी की कमी परिलक्षित हो रही है।

स्कंध आर्वत अनुपात

यह अनुपात वर्ष के औसत स्टॉक का बेचे गए माल की लागत अर्थात संचालन क्रियाओं से आगम की लागत के मध्य संबंध व्यक्त करता है। 4 से 6 के बीच एक स्कंध आर्वत अनुपात आमतौर पर अच्छा संकेत है।

Stock turnover Ratio = Cost of good sold / Average stock OR Net Sales / Stock

Table 4

Statement of Net Sale to Stock

Year	Net Sale ₹ - Cr	Stock ₹ - Cr	Times	Year	Net Sale ₹ - Cr	Stock ₹ - Cr	Times
2012-13	6720	418	16.08	2017-18	8928	526	16.97
2013-14	8017	418	19.18	2018-19	12214	586	20.84
2014-15	8520	266	32.03	2019-20	12782	1276	10.01
2015-16	7794	486	16.04	2020-21	11516	438	26.29
2016-17	7643	575	13.29	2021-22	15604	2255	6.91

Source- Annual Report NFL 2012-13

निर्वचन

एन.एफ.एल. की तालिका 04 में कंपनी के शुद्ध विक्रय तथा स्कंध के मध्य संबंध को दिखाया गया है। 2014–15 में सर्वाधिक 32.03 तथा 2021–22 में 6.91 सबसे कम रहा है। यदि इस अनुपात की सावधानी पूर्वक देखभाल की जाए तो यह अतिव्यापार उच्च स्कंध आर्वत और नीचा चालू अनुपात अल्पव्यापार निम्न स्कंध आर्वत और उच्च चालू अनुपात का द्योतक है।

कार्यशील पूंजी का शुद्ध मूल्य से अनुपात

यह अनुपात शुद्ध कार्यशील पूंजी और स्वामियों के फण्ड बीच संबंध को बताता है।

Ratio of working Capital to Net Worth = Working Capital / Net Worth x 100

Table 5

Statement of Working Capital to Net Worth

Year	Working Capital ₹ - Cr	Net Worth ₹ - Cr	Ratio %	Year	Working Capital ₹ - Cr	Net Worth ₹ - Cr	Ratio %
2012-13	2855	1584	180.24	2017-18	890	1987	44.79
2013-14	702	1494	46.99	2018-19	1142	2219	51.46
2014-15	1355	1509	89.79	2019-20	532	1921	27.69
2015-16	1487	1691	87.94	2020-21	446	2171	20.54
2016-17	804	1827	44.00	2021-22	339	2282	14.86

Source- Annual Report NFL 2012-13

निर्वचन

एन.एफ.एल. की तालिका क्र.05 में कार्यशील पूंजी का शुद्ध मूल्य से अनुपात प्रतिशत में दर्शाया गया है जिसमें वर्ष 2012–13 में सर्वाधिक 180.24 तथा 2021–22 में सबसे कम 14.86 प्रतिशत रहा है।

कार्यशील पूंजी आर्वत अनुपात

यह अनुपात कार्यशील पूंजी और शुद्ध राजस्व या शुद्ध विक्रय या टर्न ओवर या बेचे गये माल की लागत के बीच का संबंध व्यक्त करता है। सामान्यतः आदर्श अनुपात 1.2 – 2.00 के बीच होना चाहिए। यदि यह 1 या इससे कम है तो कंपनी एक गंभीर जोखिम से गुजर सकती है।अतः इसकी अल्पकालिक परिसंपत्तियों परगहनता से काम करने और उन्हें जल्दी ही विकसित करने की आवश्यकताहै।

Working Capital turnover Ratio = Net Sales or Cost of Sales / Working capital

Table 6

Statement of Net Sales to working capital

Year	Net Sales ₹ - Cr	Working Capital ₹ - Cr	Times	Year	Net Sales ₹ - Cr	Working Capital ₹ - Cr	Times
2012-13	6720	2855	2.35	2017-18	8928	890	10.03
2013-14	8017	702	11.42	2018-19	12214	1142	10.70
2014-15	8520	1353	6.30	2019-20	12782	532	24.03
2015-16	7794	1487	5.24	2020-21	11516	446	25.82
2016-17	7643	804	9.51	2021-22	15604	339	46.03

Source- Annual Report NFL 2012-13

निर्वचन

एन.एफ.एल. की तालिका 6 में शुद्ध बिक्री व कार्यशील पूंजी के बीच संबंध दर्शाया गया है।जिसमें कार्यशील पूंजी आर्वत जिसमें 2012–13 में सबसे कम 2.35 था जो उतार–चढाव के बाद 2021–22 में सर्वाधिक 46.03 हो गया है।

निष्कर्ष

- एन.एफ.एल.कंपनी में 2012 से 2018 तथा 20–21 में चालूदायित्वों की तुलना में चालूसंपत्तिया अधिक है।परंतु 2018–2020 एवं 2021–22 में चालूदायित्वों की तुलना में चालूसंपत्तियॉ कम है।
- एन.एफ.एल. कंपनी में 2012 से 2022 तक चलसंपत्तियों की तुलना में रोकड कम है, जिसका सर्वाधिक अनुपात वर्ष 2013–14 व सबसे कम 2021–22 में देखने को मिला।
- एन.एफ.एल. कंपनी का चालू अनुपात या कार्यशील पूंजी अनुपात 2012–13 में सर्वाधिक 2013 से 2022 तक तुलनात्मक रूप से सामान्यतः कम रहा है जो कार्यशील पूंजी की कमी को दर्शाता है, जो उचित नही है।
- एन.एफ.एल. कंपनी का स्कंध आर्वत अनुपात 2012–15 में बढा है, परंतु 2015 – 17 में कम हुआ है। 2017–19 में फिर बढा व 2019–20 में कम हुआ तथा 20–21 में बढ़ा तथा 2021–22 में फिर से कम रहा। वृद्धि लाभ की स्थिति को प्रदर्शित करती है। लेकिन भण्डारण हेतु जगह की ज्यादा आवश्यकता होगी।
- एन.एफ.एल.कंपनी के 2012 से 2022 के कार्यकाल में कार्यशील पूंजी का शुद्ध मूल्य अुनपात 2012–13 में जहॉ बहुत अधिक है वही 2021–22 में सबसे कम रहा व बीच में उतार चढाव की स्थिति में रहा। यह स्थिति उचित नही कही जा सकती है।
- एन.एफ.एल. कंपनी का कार्यशील पूंजी आर्वत अनुपात 2012–13 में सबसे कम व उतार चढाव की स्थिति के बाद 2021–22 में सर्वाधिक रहा, इस अनुपात का बढना लाभप्रदता की स्थिति को दर्शाता है।

सुझाव

- एन.एफ.एल. कंपनी का तरलता अनुपात उतार चढाव की स्थिति में है जब वह 100 प्रतिशत से अधिक है तो ऐसी स्थिति में कंपनी को दायित्वों के भुगतान हेतु नगद धन के आयोजन की आवश्यकता नहीं है।विपरीत दशा अर्थात 100 प्रतिशत से कम होने पर ऐसा करने की आवश्यकता होगी।
- एन.एफ.एल. कंपनी का सकल अनुपात 2021–22 में सबसे कम आ रहा है, जो कि उचित नहीं कहा जा सकता।अतः कंपनी को इसे बढाने हेतु प्रयासरत रहना चाहिए।ताकि खर्चो हेतु पर्याप्त रोकड का प्रबंध हो सके।
- एन.एफ.एल. कंपनी का चालू अनुपात 2012–13 की अपेक्षा आगे के वर्ष 2013–2022 में तुलनात्मक रूप से कम हो रहा है।अतः प्रयास रहे कि यह अनुपात बढे जिससे कार्यशील पूंजी की उपलब्धता उचित हो।
- एन.एफ.एल.कंपनी का स्कंध आर्वत अनुपात 2021–22 में घट रहा है। अतः इसे बढाने का प्रयास करना चाहिए, जिससे लाभार्जन हो सके।
- एन.एफ.एल.कंपनी का कार्यशील पूंजी का शुद्ध मूल्य अनुपात 2021–22 में घट रहा है। इसे बढाने हेतु प्रयासरत रहना चाहिए। जिससे पर्याप्त लाभ हो सके।

- एन.एफ.एल.कंपनी का कार्यशील पूंजी अनुपात वर्ष 2012–13 एवं 2014–17 तक घट रहा है। बाद में इसे बढाने के प्रयास आशातीत रहे है।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. एन.एफ.एल.कंपनी के आलोच्य अवधि के वार्षिक प्रतिवेदन वर्ष 2012–2022 तक
2. डी.डी.शर्मा (2083) रिसर्च मैथडोलॉजी–कल्याणी पब्लिशर्स.
3. कुलश्रेष्ठ, आर.एस. 1991 –वित्तीय प्रबंध साहित्य भवन आगरा।
4. गुप्ता एस.पी.– 1991 –प्रबंधकीय लेखाविधि साहित्य भवन आगरा।
5. www.nfl.co.in

❖◆❖